श्री मोरारजी देसाई : खैर, बिहार की जो यह पट्टी है, यह काफी क्राइम्स से भरी हुई है।

श्री आर० एल० कुरील (मोहनलालगंज) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा गृह मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या यह जो इन्सिडेंट हुआ है, क्या समस्तीपुर इलेक्शन से भी इसका कुछ सम्बन्ध है। क्या ऐसा तो नहीं है कि कांग्रेस के लोगों ने इसको मैनीपुलेट किया हो, जिससे हरिजनों और बेकवर्ड क्लास के लोगों के वोट दूसरीतरफ चले जायें? मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि इस तरह की जो बहुत सी घटनायें बिहार, यू०पी० और दूसरी जगहों में होती चली जा रही हैं, सरकार उन्हें रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाने जा रही है, जिससे भविष्य में ऐसी घटनायें न घटें। जब तक महावत हाथी की गर्दन पर बैठा रहता है, तब तक वह सीधा रहता है। अगर सरकार इन घटनाओं को रोकथाम के लिए कुछ नहीं करती है, तो क्या हमें भी उसी हाथी की तरह बिगड़ना पड़ेगा, ताकि अत्याचारों का महावत हमारी गर्दन पर न रहे? हम देखते हैं कि हिन्दुस्तान के कोने कोने में ये अत्याचार हो रहे हैं, होते आये हैं। इनका पौधा जब भी लगा हो, वह फल अब दे रहा है। इन घटनाओं को रोकना पड़ेगा। इस बारे में एक निश्चित पालिसी बनानी पड़ेगी, ममरी टायल करनी पड़ेगी, तभी कुछ हो सकता है, अन्यथा घटनायें होती हैं, सदन में उस की चर्चा हो जाती है, परन्तु उसके बाद फिर वैसे का वैसा। कोर्ट कार्ट में केसिज चलते हैं, मगर सब छूट जाते हैं, बरी हो जाते हैं। आज तक कोई भी एम० पी० और डी० एम० ससपेंड नहीं किया गया है, किसी को सजा नहीं दी गई है। ऐसी घटनाओं के बारे में हम पढ़ लेते हैं, सुन लेते हैं, यहां रो देते हैं, आंसू बहा देते हैं, मगर उसके बाद सब वैसे का वैसा हो जाता है। हम कब तक इस तरह से रोते रहेंगे, कब तक हमारी बहू-बेटियों की इज्जत लूटती रहेगी, कब तक हमारे लोगों का कत्ल होता रहेगा, यह मैं पूछना चाहता हूं। मैं यह भी आश्वासन चाहता हूं कि भविष्य में ऐसी यह घटनायें न घटें, इसके लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है।

श्री मोरारजी देसाई : पहले तो यह कहना ठीक नहीं है कि यह सिर्फ हरिजनों पर ही अत्याचार हुआ है। हरिजनों पर हुआ है, यह सही बात है। लेकिन सारे गांव पर हमला हुआ है—वहां 90 परसेंट बेकवर्ड क्लासिज हैं और 10 परसेंट हरिजन हैं—जिसमें वे भी आ गये हैं। लेकिन हरिजनों पर हरिजन होने के कारण हमला किया गया, ऐसा नहीं है। इस लिए इस घटना को उसके साथ मिला देना ठीक नहीं होगा। लेकिन यह घटना बड़ी भयंकर है, इसमें कोई शक नहीं है—सारे गांव पर हमला हो और तोड़-फोड़ कर के उसका नाश कर दिया जाये। जब इसकी पूरी जांच हो, तब मैं कुछ कह सकता हूं। माननीय सदस्य ने पूछा है कि क्या समस्तीपुर के इलैक्शन के साथ उसका सम्बन्ध है या नहीं। वह जगह समस्तीपुर के नजदीक है, सरहद पर है शायद हो सकता है कि हो। लेकिन जब तक मुझे इसकी पूरी हकीकत न मिले, तब तक मैं कोई राय नहीं दे सकता हूं। लेकिन अगर ऐसा भी होगा, तो उसके बारे में कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

श्री आर० एल० कुरील : समरी ट्रायल के बारे में कुछ नहीं कहा है।

12.48 hrs.

COMMITTEE ON SUBORDINATE LEGISLATION

THIRTEENTH REPORT

कुमारी मणिबेन वल्लभभाई पटेल (मेहसाना) : मैं अधीनस्थ विधान संबंधी समिति का तेरहवां प्रतिवेदन प्रस्तुत करती हूं।

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

TWENTY-FIFTH REPORT

SHRI PABITRA MOHAN PRADHAN (Deogarh): I beg to present the Twenty-fifth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions.

12.50 hrs.

STATEMENT RE. CALLING OFF OF STRIKE BY PORT AND DOCK WORKERS

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): Honourable Members are ware that the unions of root and dock workers affiliated to All India Port and Dock Workers Federation (HMS) except the B.P.T. Employees' Union restored to an indefinite strike from the night of 15th November 1978 in Bombay Port. Similarly, affiliates of this Federation in the ports of Madras, Mormugao, Kandla, Calcutta, Paradi and Visakhapatnam went on strike from the mid-night of 16th November, 1978. They went on strike in the port of Cochin from the mid-night of 18-11-78. In Madras one of the Unions